TOPIC - What is research proposal or synopsis

Date 25/04/20

वस्तुतः अनुसंधान का प्रारम्भ समस्या की स्पष्ट पहचान व निर्धारण से होता है। अनुसंधान समस्या की पहचान विधान व चयन का कार्य अत्यन्त दुष्कर व चुनौती भरा होता है, क्योंकि यह एक सृजनात्मक (Creative) कार्य है। शोधार्थियों को अपने बुद्धि-विवेक, अध्ययन-मनन, परामर्श, सर्वेक्षण, अनुभव, वरिष्ठों (Seniors) से विचार-विमर्श अथवा अपने वातावरण/पर्यावरण में विद्यमान समस्याओं, दुःखद परिस्थितियों को देखकर उनके लिए समाधान का रास्ता ढूंढने के लिए वैज्ञानिकी विधि की सहायता से अनुसंधान विषय का ठोस निर्णय ले पाता है।

कुछ विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अनुसंधान समस्या शोधार्थियों के मस्तिष्क से आनी चाहिए न कि किसी अन्य के द्वारा उस पर थोपी जानी चाहिए। निःसंदेह समस्या का चयन अनुसंधानकर्ता को स्वयं अपनी रुचि, क्षमता व संसाधनों को ध्यान में रखकर करना होता है, परन्तु इस कार्य में अनुभवी व वरिष्ठ व्यक्तियों के द्वारा उसे पथ प्रदर्शन करने की जरूरत होती है। सही समस्या की पहचान व चयन करने से एवं उसके स्वरूप की पूर्ण जानकारी होने पर आगे का कार्य अत्यन्त सरल, सहज, व सुगम हो जाता है।

अतः समस्या को खोजने, पहचानने निश्चित करने तथा स्वरूप से परिचित होने को शोधार्थियों (Investigators) का सर्वाधिक महत्वपूर्ण दायित्व कहा जाता है।

Scanned with CamScanner